DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

कहानी और कहानीकार

Part -3

LIVE 11-07-2024 09:00 AM

ज्ञानरंजन (1937)

इनके द्वारा लिखित कहानी संग्रह है— **फैंस के इधर उधर (1968), यात्रा (1971) क्षणजीवी (1977), सपना नहीं (1977)**

काशीनाथ सिंह (1936 - 2017) : लोग बिस्तरों पर (1968), सुबह का डर (1975), आदमीनामा (1978), नयी तारीख (1979), कल की फटे हाल कहानियाँ (1980), सदी का सबसे बड़ा आदमी (1986), कविता की नई तारीख (2010), खरोंच (2014)।

जगदीश चतुर्वेदी (1933-2015): जीवन का संघर्ष (1954), निहंग (1973), अंधेरे का आदमी (1980), विवर्त (1981), डेलिया का फूल (1995) आदिम गंध (1995)

दूध नाथ सिंह (1936) : सपाट चेहरे वाला आदमी (1967), सुखांत (1971), पहला कदम (1976), माई का शोक गीत (1992), नमो अंधकार (1998), धर्मक्षेत्रे करूक्षेत्र (2002), निष्कासन् (2002), तू फू (2011), जलमुर्गियों का शिकार (2015) ।

प्रमुख कहानियाँ - विजेता, कबन्ध, रीछ, सुखांत, प्रतिशोध आदि ।

गिरिराज किशोर (1936) : चार मोती बेआब (1963), नीम के फूल (1964), पेपरवेट (1967), रिश्ता और अन्य कहानियाँ (1969), शहर दर शहर (1976), हम प्यार कर लें (1980), जगतारनी तथा अन्य कहानियाँ (1981), गाना बड़े गुलाम अलीखाँ (1985), वल्दरोजी (1989), यह देह किसकी है (1990), आन्द्रे की प्रेमिका (1995), हमारे मालिक सबके मालिक (2003), दुश्मन और दुश्मन (2010) गिरिराज किशोर की कहानियों में निम्न मध्य वर्गीय परिवारों में रूढ़ियों से जकड़ी नारी की पीड़ा, शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियाँ, गरीबी से जूझते हुए अभाव- अन्य कुण्डा, कार्यालयों की कार्य पद्धति का खोखलापन कर्मचारियों, अधिकारियों के अहंकार की टकराहत, आज की यांत्रिकता और उपभोक्तावादी संस्कृति की अमानवीयत का सजीव चित्रण मिलता हैं।

योगेश गुप्त – टूटा हुआ कोना (1977), अबरक के फूल (1979), उन दो शहरों की तरह (1982), कैमरे के गर्भ से (1982), परा स्वप्न (1988), मेरे अंतरिक्ष (1988), ओलमा (1992) लुह पुकारे आदमी । बटरोही (1946) – दिवास्वप्न (1978), सड़क का भूगोल (1985), आगे के पीछे (1989), अनाथ मुहल्ले के ठुलदा (1990), हिडिम्बा के गाँव में (2000)

उदय प्रकाश (1952) – दरियाई घोड़ा, तिरिछ (1989), और अंत में प्रार्थना (1994), पालगोमरा का स्कूटर (1997), पीली छतरी वाली लड़की (2001), दत्तात्रेय का दुःख (2002) मोहनदास (2006) लुह पुकारे आदमी ।

रमेश उपाध्याय (1942) – जमी हुई झील (1962), शेष इतिहास (1973), नदी के साथ (1976), चतुर्दिक (1980), पैदल अंधेरे में (1981), बदलाव से पहले (1981), राष्ट्रीय

राजमार्ग (1984), किसी देश के किसी शहर में (1987), कहाँ हो प्यारे लाल (1991), अर्थतन्त्र तथा अन्य कहानियाँ (1996), डॉक्यू ड्रामा तथा कहानियाँ (2008), एक घर की डायरी (2013), त्रासदी

भाई फुट (2014)।

योगेश कुमार - परामर्श (1986), मिथ्याचक्र (1987)।

स्वयं प्रकाश (1947) – मात्रा और भार (1974), सूरज कब निकलेगा (1980), आसमाँ कैसे कैसे (1982), अगली किताब (1985), आयेंगे अच्छे दिन भी (1991) ।

आदमी जात' का आदमी (1994), अगले जन्म (2002), संधान (2006), छोटू उस्ताद (2015)।

महिला कहानीकार

हिन्दी की प्रथम कहानीकार बंग महिला राजेन्द्र बाला घोष है। गोपालराय ने लिखा है कि "सुमित्रा कुमार सिन्हा हिन्दी में प्रथम 'नारीवादी' कहानीकार मानी जा सकती हैं।
"

सुभद्रा कुमारी चौहान

बिखरे मोती (1932), उन्मादिनी (1934)। सुभद्रा कुमारी चौहान की अधिकांश कहानियाँ नारी विमर्श पर केन्द्रित हैं। सुभद्रा जी ने आदर्शवादी और यथार्थवादी दोनों तरह की कहानियाँ लिखीं, जिनमें 'गौरी', एकादशी भग्नावेष किस्मत होली, रूपा दृष्टिकोण आदि शैली - शिल्प की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ मानी जा सकती हैं।

कमला चौधरी - उन्माद (1934)।

सुमित्रा कुमारी सिन्हा - अचलसुहाग (1939), वर्षगांठ (1942)।

होमवती - निसर्ग (1939)।

शिवरानी देवी - कौमुदी (1937) ।

चन्द्रकिरण सौनरेक्सा (1919-2009) : आदमखोर (1945)

शशिप्रभा शास्त्री (1923 -2000) : धुली हुई शाम (1969), अनुत्तरित (1975), दो कहानियों के बीच (1978), जोड़ बाकी (1981), एक टुकड़ा शांति रथ (1991), पतझड़ (1994), उस दिन भी (1996)।

शिवानी (1923 - 2003) : लाल हवेली (1965), पुष्पहार (1969), अपराधिनी (1972), रथ्या (1976), स्वयंसिद्धा (1977), रति विलाप (1977), पुष्पहार (1978)।

कृष्णा सोबती (1925) : मित्रोमरजानी, बादलों के घेरे (1980), सिक्का बदल गया एवं यारों के यार प्रमुख कहानी । 'मित्रो मरजानी' स्त्री-पुरूष सम्बन्धों की साहसपूर्ण कहानी है। इस कहानी को लघु उपन्यास भी कहा गया हैं।

• कृष्णा सोबती की सिक्का बदल गया, भारत-पाक विभाजन के दर्द को बड़ी गहनता से उकेरने वाली कहानी हैं।

दीप्ति खण्डेलवाल (1930) - कड़वा सच (1975), धूप के अहसास (1976), वह तीसरा (1976), सलीब पर (1977), दो पल की छाँव (1978), नारी मन (1979), औरत और बातें (1980) ।

मन्नू भंडारी (1931) - मन्नू भंडारी की 'यही सच है' की गणना हिन्दी की अमर प्रेम कहानियों में की जाती हैं। इस कहानी पर 'रजनीगंधा' नामक फिल्म बनी हैं।

मन्नू भंडारी की कहानी 'रानी माँ का चबूतरा' में मजदूर वर्ग की असहाय नारी की दरिद्रता, संघर्ष का अत्यन्त मार्मिक चित्रण हुआ हैं। मैं हार गई (1957), यही सच है (1966), एक प्लेट सैलाब (1968), तीन निगाहों की एक तस्वीर (1968), त्रिशंकु (1978)। यही सच है, रानी माँ का चबूतरा आदि ।

उषा प्रियंवदा (1931) - इनकी प्रसिद्ध कहानी **'वापसी'** कहानी में यह चित्रित किया गया है कि सेवानिवृत होकर व्यक्ति अपने ही परिवार की नजरों में ही एक प्रकार से बेगाना हो जाता है। इसके अलावा मुख्य कहानियाँ हैं- **जिन्दगी और गुलाब के फूल** (1961), **फिर बसंत आया** (1961), **एक कोई दूसरा** (1966), **कितना बड़ा झूठ** (1972)

ममता कालिया (1940) - छुटकारा (1969), सीट नं. 6 (1978), एक अदद औरत (1979), प्रतिदिन (1983), उसका यौवन (1985), जाँच अभी जारी है (1990), बोलने वाली (2000), मुखौटा (2002), निर्मोही (2006), खुदकिस्मत (2010), थोड़ा-सा प्रगतिशील (2014) ।

मालती जोशी (1934) - मध्यांतर (1977), पटाक्षेप (1978), पराजय (1979), एक घर सपनों का (1985), विश्वास गाथा शापित शैशव (1996), पिया पीर न जानी (1999),

औरत एक रात है (2001), रहिमन धागा प्रेम का, परख, वो तेरा घर ये मेरा घर, मिलियन डॉलर नोट, ऑनर किलिंग, स्नेह बंध (2015) |

मृणाल पाण्डे (1946) - दरम्यान (1977), शब्दवेधी (1980), एक नीच ट्रैजेडी (1981), एक स्त्री का विदागीत (1983)।

चित्रा मुद्गल (1944) : जहर ठहरा हुआ (1980), लाक्षागृह (1982), अपनी वापसी (1983), इस हमाम में एवं ग्यारह लम्बी कहानियाँ (1987), जगदम्बा बाबू गाँव आ रहे हैं (1992), जिनावर (1996), भूख (2001), लपटें (2002), पेंटिंग अकेली है (2014)|

मृदुला गर्ग (1938) - मृदुला गर्ग की अगली सुबह कहानी में इन्दिरा गाँधी की हत्या के बाद दिल्ली में होने वाले साम्प्रदायिक दंगे को दर्शाया गया हैं। मृदुला गर्ग कृत 'विनाशदूत' कहानी में भोपाल गैस त्रासदी का चित्रण हैं। मृदुला गर्ग की बेनकाब कहानी में चम्बल क्षेत्र में व्याप्त अत्याचार और शोषण का चित्रण हुआ हैं। कितनी कैदें (1975), टुकड़ा टुकड़ा आदमी (1977), डेफोडिल जल रहे हैं (1978), ग्लेशियर से (1980), उर्फ सैम (1980), समागम (1996), मेरे देश की मिट्टी अहा (2001)।

राजी सेठ (1935) : अन्धें मोड़ से आगे (1979), तीसरी हथेली .... (1981), यात्रामुक्त (1987), दूसरे देश काल में (1992), यह कहानी नहीं (1998), गमे हयात ने मारा (2006)

मंजुल भगत (1936-1998) : गुलमोहर के गुच्छे (1974), टूटा हुआ इन्द्रधनुष (1976), क्या छूट गया (1976), आत्महत्या के पहले (1979), कितना छोटा सफर (1979), बावन पत्ते एक जोकर (1982), सफेद कौआ (1986), दूत (1992), बूँद (1998), अंतिम बयान (2001)।

कृष्णा अग्निहोत्री (1935)

- टीन के घेरे (1970), गलियारे (1974), याही बनारसी रंग बा (1983), जिन्दा आदमी (1986), जय सियाराम (1993), सर्पदंश (1997), अपने - अपने कुरुक्षेत्र (2001), यह क्या जगह दोस्तों (2007), जीना मरना (2010), मान भी जा साँझी (2013), कण्ठे जाणा (2015) ।

चंद्रकांता (1938) - सलाखों के पीछे (1975), गलत लोगों के बीच (1984), पोशनूल की वापसी (1988), दहलीज पर न्याय (1989), ओ सोन किसरी (1991), कोठे पर कागा (1993), सूरज उगने तक (1994), काली बर्फ (1996), बदलते हालात में (2002), अब्बू ने कहा था, (2005), अलकट राज देखा (2013) |

सारा राय - अबाबील की उड़ान (1997)।

कमल कुमार — पहचान (1984), क्रमशः (1996), फिर वहीं से शुरू (1998), वैलेन्टाइन डे (2002), घर बेघर (2006), मदद मेरी और अन्य कहानियाँ (2014)।

कुसुम खेमानी (1944) : सच कहती कहानियाँ (2013), अनुगूँज जिन्दगी की (2015), अचंभा प्रेम (2015) |

नासिरा शर्मा (1948) - शामी कागज (1980), पत्थरगली (1986), संगसार (1993), इब्बे मरिमय (1994), सबीना के चालीस चोर (1907), खुदा की वापसी (1998), इंसानी नस्ल (2001), दूसरा ताजमहल (2002)।

ऋता शुक्ल — क्रौच वद्य तथा अन्य कहानियाँ (1985), दंश (1985), शेष गाथा (1993), कनिष्ठा उँगली का पाप (1994), कासौं कहों मैं दरदिया (1997), मनुष्य तन (1999)।

अल्का सरावगी — कहानी की तलाश में (1995), दूसरी कहानी (2002)।

मधु कांकारिया (1957) — अन्तहीन मरूस्थल (1999), बीतते हुए (2004), और अंत में ईशु (2006), चिड़िया ऐसे मरती है। (2012), भरी दोपहरी के अँधेरे (2013), युद्ध और बुद्ध (2014)।

उर्मिला शिरीष – वे कौन थे, मुआवजा, केंचुली, सहमा हुआ कल, शहर में अकेली लड़की (1999), रंगमंच (2001), निर्वासन (2003)।

कुछ पत्रिकाओं में प्रकाशित दलित लेखकों की प्रथम कहानियाँ-

लेखक	कहानी	पत्रिका	वर्ष
सतीश	वचनबद्ध	मुक्ति स्मारिका	1975
मोहनदास नैमिशराय	सबसे बड़ा दुःख	कथालोक	1978
ओमप्रकाश वाल्मीकि	अंधेरा बस्ती	निर्णायक भीम	1980

दलित लेखक एवं उनकी प्रमुख कहानियाँ :

लेखक	कहानियाँ
❖ ओमप्रकाश वाल्मीकि	पच्चीस चौका डेढ सौ (1993), सलाम (2000), प्रमोशन, घुसपैठिए (2003), दिनेश पाल जाटव उर्फ दिग्दर्शन, बैल की खाल, छतरी (2013) |
❖ मोहनदास नैमिशराय	आवाजें (1997), अपना गाँव, कर्ज
❖ दयानन्द बटोही	सुरंग (1995), कफन खोर
❖ सूरजपाल सिंह चौहान	हैरी कब आएगा ? (1999), साजिश, घूत कर दिया, अहिल्या, टिल्लू का पोता
❖ सुशीला टकभोरे	सिलिया, टूटता वहम (1997)
❖ कुसुम वियोगी	चार इंच की कलम, अन्तिम बयान

❖ राजनारायण बोहरे	हादसा (2013)
❖ मोहनलाल फिल्लोरिया	मोची का बेटा
❖ बुद्ध शरण हंस	देवसाक्षी, तीन महाप्राणी
❖ श्योराज सिंह बेचैन	अस्थियों के अक्षर, भरोसे की बहन (2010), शोध प्रबन्ध
❖ जयप्रकाश कर्दम	नोबार, तलाश
❖ प्रहलाद चन्द्रदास	लटकी हुई शर्त, पुटुस के फूल (1998)
❖ अजय नावरिया	पटकथा और अन्य कहानियाँ (2006), उप महाद्वीप, एक धम्म सतंतनो, यस सर (2012)
❖ सत्य प्रकाश	रक्तबीज, सायरन (2004)
❖ अरविन्द राही	दृष्टिकोण
❖ रतन वर्मा	दस्तक, नेटुवा, पेइंग गेस्ट
❖ प्रेम कपाड़िया	हरिजन

❖ शरण कुमार लिंबाले	दलित ब्राह्मण (2004), छुआछूत (2008)
❖ दयानंद तिलखन पारसी	गाँव के आंचल में (2004)
❖ उमेश सिंह	पहली रात का अंत
❖ परदेशी राम वर्मा	दिन प्रतिदिन
❖ डॉ. कालीचरण सनेही	दलित दुनिया (2009)
❖ भवानी सिंह	एक गाँव की मौत
❖ रत्नकुमार सांभरिया	हुकुम की दुग्गी, खेत, काल तथा अन्य कहानियाँ
❖ कालीचरण प्रेमी	गिरोह का आदमी, पीपल वाला भूत
❖ एच. आर हरनोट	दारोश (2001), जीन काठी
❖ शत्रुघ्न कुमार	हिस्से की रोटी (2001)
❖ विपिन बिहारी	कंधा, बिबाइयाँ
❖ कावेरी	द्रोणाचार्य एक नहीं (1996)

- रूपनारायण सोनकर — जाँच (2005)
- रानी मीनू — हम कौन है (2012)

हिन्दी के प्रमुख लेखकों की चर्चित कहानियाँ

लेखक	कहानियाँ
विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(i) ताई (ii) रक्षाबंधन
रायकृष्णदास	(i) अन्तःपुर का आरम्भ (ii) रमणों का रहस्य
चंडी प्रसाद हृदयेश	(i) उन्मादिनी (ii) शांति निकेतन, (iii) प्रेम पुष्पांजलि।
भगवती प्रसाद वाजपेय	पैंसिल स्केच, बिंदिया लागी, हृदयगति, इरोखे की रानी, टिकुली।

सुदर्शन	हार की जीत, सच्ची शांति, कवि की स्त्री, एथेंस का सत्यार्थी, बाप का हृदय ।
चन्द्रगुप्त विद्यालंकार	मास्टरजी, आँसू, शराबी, भय का राज्य
बेचन शर्मा उग्र	उसकी मां, निहलिस्ट, ऐसी होली खेलो लाल।
निराला	श्रीमती गजानन्द शास्त्रिणी
भगवती चरण वर्मा	प्रायश्चित, मुगलों ने सल्तनत बख्श दी।
जैनेन्द्र	स्पर्द्धा, पत्नी, एक कैदी, अपना-अपना भाग्य बाहुबली, लाल सरोवर, मास्टरजी, भाभी ।
यशपाल	परदा, नीरस रसिक, मक्रील, आदमी का बच्चा, धर्मरक्षा प्रतिष्ठा का बोझ ।

प्रमुख कहानियों के पात्र

हिन्दी साहित्य में लिखी गई असंख्या कहानियों के कुछ पात्र अत्यधिक जीवंत रूप में प्रसिद्ध हुए हैं जैसे—

कहानीकार	कहानी	पात्र
प्रेमचंद	ईदगाह	हामिद, अमीना, मोहसिन, सम्मी, नूरे, महमूद
प्रेमचंद	पंच परमेश्वर	जुम्मन शेख, अलगू चौधरी, बूढ़ी खाला, रामधन मिश्र, समझू साहू, झगड़ू, साहू
प्रेमचंद	शतरंज के खिलाड़ी	मिरजा, सज्जाद अली, मीर बेगम

प्रेमचंद	ठाकुर का कुआँ	जोशू, जंगी, ठाकुर
प्रेमचंद	नमक का दरोगा	वंशीधर, पं. अलोपीदीन
प्रेमचंद	पूस की रात	हल्कू, मुन्नी, जबरा (कुत्ता)
प्रेमचंद	बड़े घर की बेटी	बेनी माधव, श्री कंठ सिंह, लाल बिहारी, आनन्दी

प्रेमचंद	सद्गति	दुःखी राम, घासीराम, झुरिया
प्रेमचंद	दो बैलों की कथा	झूरी, हीरा, मोती
प्रेमचंद	कफन	घीसू, माधव, बुधिया
प्रेमचंद	सवासेर गेहूँ	शंकर, विप्र, महाराज
प्रेमचंद	घासवाली	मुलिया, महावीर, चैनसिंह

चन्द्रधर शर्मा	उसने कहा था	लहना सिंह, सूबेदारनी, सुबेदार हजारा सिंह, बोधा, वजीरा सिंह, कीरत सिंह ।
जयशंकर प्रसाद	पुरस्कार	अरूण, मधुलिका, कौशल, नरेश
जयशंकर प्रसाद	रूप की छाया	शैलनाथ, सरला
जयशंकर प्रसाद	आकाशदीप	चम्पा, बुधगुप्त, जया वणिक मणिभद्र

जयशंकर प्रसाद	ममता	ममता, चूड़ामणि, शहंशाह, हुमायूँ
फणीश्वरनाथ रेणु	तीसरी कसम	हिरामन, हीराबाई, पलटदास, धुन्नीराम
रेणु	लालपान की बेगम	बिरजू, चम्पिया, जंगी की पतोहू
रेणु	रसप्रिया	मोहना, मिरदंगिया, रमपतिया

रांगेय राघव	गदल	गदल, गुन्न, डोडी, निहाल, नारायण, दुल्लो, मौनी लौहारे।
रांगेय राघव	अभिमान	आनन्दी, रग्धू, चम्पा, नारायण, नत्था, रामू
भीष्म साहनी	चीफ की दावत	मि. शामनाथ, बूढ़ी माँ, बाँस
मोहन राकेश	एक और जिन्दगी	प्रकाश, बीना, निर्मला, बच्चा

मोहन राकेश	आर्द्रा	वचन, लाली, बिन्नी
मोहन राकेश	मलबे का मालिक	अब्दुल गनी मियाँ, मनोरी, चिरागदीन, रक्खा पहलवान, जुबैदा, किश्वर, सुल्ताना
निर्मल वर्मा	परिन्दे	लतिका, डॉ. मुखर्जी, मि. ह्यूबर्ट करीमुद्दीन, गिरीश, मिस वुड, फादर एलमण्ड
महेन्द्र भल्ला	एक पति के नोट्स	पति, सीता सन्ध्या

शिवमूर्ति	कसाई बाड़ा	शनीचरी, प्रधान, दरोगा, लीडर
शिवमूर्ति	तिरिया चरित्तर	विमली, डरेबर, बिल्लर, कुइसा, रमकल्ली, बिसराम
अमरकान्त	जिन्दगी और जोंक	रजुआ, शिवनाथ बाबू, शनीचरी देवी
अमरकान्त	डिप्टी कलक्टरी	शकलदीप बाबू, जमुना, नारायण, निर्मला, गौरी कमल

राजेन्द्र यादव	जहाँ लक्ष्मी कैद है	लक्ष्मी, गोविन्द, लाल रूपाराम रामस्वरूप
राजेन्द्र यादव	अभिमन्यु की आत्महत्या	नौजवान, शहजादी, कैलाश, सुभद्रा, मीना, प्रदीप
अज्ञेय	रोज	मालती, महेश्वर और टिटी
जैनेन्द्र कुमार	फाँसी	शमशेर (नायक), जुलैका (नायिका)

जैनेन्द्र कुमार	तत्सत्	बड़दादा, बबूल, शीशम, सिंहराज सर्पराज
यशपाल	उत्तराधिकारी	हरसिंह, मानी, कुशली, गनेर सिंह
यशपाल	तुमने क्यों कहा था मैं सुन्दर हूँ	चित्रकार निगम, माया

उषा प्रियंवदा	वापसी	गजाधर बाबू, अमर, नरेन्द्र वसंती
कमलेश्वर	कस्बे का आदमी	शिवराज, छोटे महाराज, चाची मुनुआ
कमलेश्वर	गर्मियों के दिन	वैद्यजी, चन्दर, खलासी, बच्चन लाल
कृष्णा सोबती	दादी-अम्मा	दादी अम्मा, मेहरा (मालकिन)

शेखर जोशी	कोशी का घटवार	गुसाईं, लछमा, लछमा का बच्चा
शेखर जोशी	दाज्यू	मदन, जगदीश, बाबू, हेमन्त
रवीन्द्र कालिया	नौ साल छोटी पत्नी	कुशल, तृप्ता, दर्शन, सुब्बा, मदन

कैलाश बनावासी	बाजार में रामधन	रामधन, मुन्ना, भुलऊ महाराज, सहदेव, भुवनेश्वर दाऊ, चइत,
मार्कण्डेय	हंसा जाई अकेला	हंसा, सुशीलाजी
मन्नू भंडारी	यही सच हैं	दीपा, संजय, निशीय, जया

हृदयेश	वह और जगह	सतीश, कुत्ते, रूकमों भाभी, राधे
दूधनाथ सिंह	चूहेदानी	सुमिता, सोम, बसंत
मधुकर सिंह	लहू पुकारे आदमी	भैरवनाथ त्रिपाठी, नगीना

ओमप्रकाश वाल्मीकि	शवयात्रा	मुसहर, कैलाश त्रिपाठी, विपत चमार, शुकदेव चौधरी
ओमप्रकाश वाल्मीकि	सलाम	सूरज, संतों, कल्लन, सरोज, सलोनी, रामजीलाल
मैत्रेयी पुष्पा	गोमा हँसती हैं	कमल उपाध्याय, हरीश, रामपाल, जुम्मन, बल्लू रांघड़

संजय खाती	पिंटी का साबुन	गोमा, बलीसिंह, कलबतिया, सियाराम भगत, सुरसती, गंगाराम, भँवर
संजय सहाय	टोपी	गोपिया, कुंती, काका,
रघुनंदन त्रिवेदी	सिफैलोटस	रमई, बालो डीएसपी साहब

अब्दुल बिस्मिल्लाह	अतिथि देवो भव	दिवाकर, शरद भैया, राजिन्दर कौर, तनुदी, ज्ञान तनवीर
इसराइल	फर्क	सलमान, मिश्रीलाल गुप्त, राधारमण मिश्रा, स्त्री
जगदम्बा प्रसाद दीक्षित	मुहब्बत	बेनीबाबू, बिशू बजरू

ममता कालिया	बोलने वाली औरत	नायक (मैं), फूलाबाई
शानी	जनाजा	शिखा, कपिल बीजी, मीरा
देवेन्द्र	नालंदा पर गिद्ध	वसीम रिजवी, शंकरदत्त, रमन कुरैशी आचार्य चूड़ामणि, सुबोध मिसिर, श्रवण कुमार, जलेश्वर, महेश्वर राय साहब, भवेश, पाण्डेय, शिवपाल मिश्र, रामकरण आर्या जनार्दन प्रसाद

मनोहर श्याम जोशी	सिल्वर वेडिंग	यशोधर बाबू, किशन दा, भूषण, गिरीश
मंजूर एहतेशाम	रमजान में मौत	असद मियाँ, सुहेला, जमील, जफर मियाँ, शाहिदा, साजिद
धीरेन्द्र अस्थाना	पिता	राहुल बजाज, केतकी, विकास
नमिता सिंह	मिशन जंगल और गिनीपग	वैज्ञानिक, कमांडर, उषा

अरूण प्रकाश	भैया एक्सप्रेस	रामदेव, विशुनदेव, जनार्दन, पण्डित जी इंदल सिंह, मनजीत कौर
असगर वजाहत	होज वाज पापा	हॉयनिका, पापा, पीटर, डॉ. मॉरिया रघुराज, त्रिलोकी कृष्णमणि त्रिपाठी,
अखिलेश	चिट्ठी	विनोद, उपमा श्रीवास्तव
महेश कहारे	मुर्दास्थगित	शैवालजी, नागेशजी

प्रियंवद	खरगोश	अवनीश भाई, बंटू
राजेन्द्र दानी	इस सदी के अंत में एक सपना	गिरीश, फ्रेंकालिन
हरि भटनागर	ग्रामोफोन	जाफरमियाँ, कुंदनशाह, संभू, दीना, डॉक्टर

मो. आरिफ	तार	मैं रहमान, रोकैयाबानों सुमंती देवी
मनीषा कुलश्रेष्ठ	कठपुतलियाँ	सगुना, रामकिसन, जोगिन्दर
कुलभूषण	पहली सीढ़ी	महेश, मीरा, कांतिभाई

संजय कुंदन	बॉस की पार्टी	देवेश कुमार, मि. बत्रा, प्रिंस कुमार, धनश्याम
कुणाल सिंह	इतवार नहीं	सीनियर प्रूफ रीडर, गौरी, सुभाषा दा, मधकर दा
प्रभात रंजन	जानकी पुल	नन्दू भाई, मैं, इला चतुर्वेदी
रणेन्द्र	वह बस धूल थी	सोमनाथ, सोमा कुजुर, अनिल लाकड़ा, आनन्द दा

नीलाक्षी सिंह	रंगमहल में नाची राधा	सुदामा प्रसाद, दीवानबाई
चंदन पाण्डेय	भूलना	मैं, गुलशन शालू
उमाशंकर चौधरी	स्वीट होम	अतिया, आशीष
अजय नावरिया	यस सर	नरोत्तम सरोज, रामनारायण तिवारी, राममूर्ति मिश्रा, लायकराम दुर्गादास लक्की सिंह